HINDI

(For 2002-2003 Admission Batch)

FIRST YEAR

PASS

PAPER—I (POETRY)

...tailed Courses of Study along with distribution of marks are given below :

Poetry Collection (Text)	...	60 marks
Khandakavya 'Yashodhara'	...	25 marks
Rhetorics	...	15 marks
TOTAL	...	100 Marks

...stion on annotation carrying 20 marks from Poetry-collection and 10 marks from Khandakavya will be

...संकलन : हिन्दी काव्य संग्रह—सं. हेमराज मीना एवं मीरा शरीन, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा

...लिखित कविताएं पढाये जायेंगी ।

कबीर	...	पद १ से ४
जायसी	...	नागमती वियोग बर्णन
सूरदास	...	बिनय के पद—२, ३, ४
तुलसी दास	...	भरत महिमा—८—१४ (जो ना होत....मे) बिनय पत्रिका
बिहारी	...	सौन्दर्य और प्रेम, नीति
प्रसाद	...	चिन्ता
निराला	...	बर दे बीणा-वादिनी, तुम और मैं
पन्त	...	ताज, गीत-बिहग
महादेवी वर्मा	...	मैं नीर भरी..., पंथ होने दो..., है चिर महान...।
अज्ञेय	...	हिरोशिमा, यह दीप अकेला
मुक्तिबोध	...	पुंजीवादी समाज के प्रति
गिरिजा कुमार माथुर	...	बुद्ध

...यशोधरा—मैथीलीशरण गुप्त, चिरगांव, झांसी

...: निम्नलिखित अलंकार पढाए जायेंगे—

... यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, वीप्सा, उपमा, उत्प्रेक्षा, रुपक, अतिशयोक्ति, सन्देह, भ्रांतिमान, व्यतिरेक, ...स्तुति, विरोधाभाष ।

... मुक्तावली—प्रो देवेंद्रनाथ शर्मा, भारतीभबन, पंटना ५०००४

क) पद्य संकलन (हिन्दी काव्यसंग्रह) से दो व्याख्याए — ३० अंक
(मद्यकालीन कवियों में से एक और आधुनिक कवियों में से एक) १०x २ = २०

ख) खंडकाव्य (यशोधारा) से एक व्याख्या — १०

पद्य संकलन (हिन्दी काव्यसंग्रह) के मध्यकालीन कवियों की कविताओं में से एक दीर्घउत्तरमूलक प्रश्न — २० अंक

पद्य संकलन (हिन्दी काव्यसंग्रह) के आधुनिक कवियों की कविताओं में से एक दीर्घ उत्तरमूलक प्रश्न — २० अंक

खंडकाव्य (यशोधारा) से एक दीर्घउत्तरमूलक प्रश्न — १५ अंक

अलंकारों पर संक्षिप्त उत्तरमूलक प्रश्न (तीन) (५ x ३) — १५ अंक

PASS PAPER—II (PROSE)

The detailed courses of study along with distribution of marks are given below :

1.	Collection of Essays (Text)	...	40 Marks
2.	Novel (Text)	...	40 Marks
3.	*Short Stories (Non-Detailed)*	...	20 Marks
	TOTAL	...	100 Marks

(Question of annotation carrying 20 marks shall be asked from the Collection of Essays (Nibandha N[illegible] Novel (Dibya only).

१. निबन्ध संग्रह-निबन्ध निकष : सं महेंद्र प्रताप एवं एन. सि अग्रवाल रवि प्रकाशन, ११६ रांगयराघव मार्ग, अगरा-२८०००२

निम्नलिखित निबन्ध पढ़ाए जायेंगे—

१.	धोखा	...	प्रताप नारायण मिश्र
२.	मेघदूत	...	महावीर प्रसाद द्विवेदी
३.	श्रद्धाभक्ति	...	रामचन्द्र शुक्ल
४.	अशोक के फुल	...	हजारि प्रसाद द्विवेदी
५.	हमारे वैज्ञानिक युग की समस्या	...	महादेवी वर्मा
६.	पहला सफेद बाल	...	हरिशंकर परसाइ

२. उपन्यास : दिव्या—यशपाल, विप्लव कार्यालय, लखनऊ

३. कहानि : कथांतर—सं परमानन्द श्रीवास्तव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

निम्नलिखित कहानियां पढ़ायी जायेंगी—

१.	उसने कहा था	५.	दो पहर का भोजन
२.	गैंग्रीन	६.	पहाड
३.	गदल	७.	दिल्लीमें एक मौत
४.	लालपान की बेगम		

संदर्भ ग्रन्थ

१. यशपाल का कथा साहित्य—प्रकाशचन्द्र मिश्र, मेकमिलन, दिल्ली
२. प्रेमचन्द्रोत्तर हिंदी उपन्यासों की शिल्पविधि—सत्यपाल चुघा, इकाई प्रकाशन, इलाहाबाद
३. हिंदी उपन्यास और यथार्थवाद—त्रिभुवन सिंह, हिंदी प्रचारक, वाराणसी
४. हिंदी उपन्यास साहित्य का अध्ययन—एस. एन. गणेशन, राजपाल......प्रकाशन, दिल्ली
५. आधुनिक हिंदी कहानी—लक्ष्मीनारायन लाल

यूनिट	1. क)	निबन्ध संग्रह (निबन्ध निकष) से एक व्याख्या	10	20 अंक
	ख)	उपन्यास (दिव्या) से एक व्याख्या	10	
	2.	निबंध संग्रह (निबन्ध निकष) से एक दीर्घ उत्तर मूलक प्रश्न		20 अंक
	3.	निबंध संग्रह (निबंध निकष) से एक संक्षिप्त उत्तरमूलक प्रश्न		10 अंक
	4.	उपन्यास (दिव्या) से एक दीर्घ उत्तरमूलक प्रश्न		20 अंक
	5.	उपन्यास (दिव्या) से एक संक्षिप्त उत्तरमूलक प्रश्न		10 अंक
	6.	कहानी (कथांतर) से एक दीर्घ उत्तर मूलक प्रश्न		20 अंक

SECOND YEAR

PASS

PAPER—III (PROSE : DRAMA & SKETCH)

The detailed courses of study along with distribution of marks are given below :

1.	Drama (Text)	...	40 Marks
2.	Drama (Text)	...	40 Marks
3.	Sketch	...	20 Marks
	TOTAL	...	100 Marks

(Question on annotation carrying 20 marks shall be asked from Drama (Chandragupta) and (Mistar Abhimanyu)

नाटक : चन्द्रगुप्त—जयशंकर प्रसाद, भारती भंडार, ईलाहाबाद

नाटक : दास एकाङ्की—ड:. बि. एस. तिवारी, सवनम पुस्तक महल, कटक-10

to be studies :

एक तोला अफिम का किमत—पि. के. वां   २. शायद—मोहन राकेश

विजय कि वेला—जे. सि. माथुर   ४. वसन्त ऋतु का नाटक—एल. एन. लाल

नाटक : रेखाचित्र : रेखाएं और रेखाएं सं सुधाकर पांडेय एवं बिश्वनाथ प्रसाद तिवारी. अनुराग प्रकाशन. बिशालाक्षि-भवन, चौक. वाराणसी

उक्त रेखाचित्र पढाएं जायेंगे—

१.	महाकवि जयशंकर प्रसाद	२.	रजिया
३.	यह सड़क बोलति है	४.	रामा
५.	अष्टावक्र		

—

जयशकंर प्रसाद नन्ददुलारे वाजपेयी. भारती भंडार. प्रयाग

प्रसाद के ऐतिहासिक नाटक—जगदीश जोशी

प्रसाद का नाट्यशिल्प और रंगमंच—गोविन्द चातक

१.	क) नाटक (चन्द्रगुप्त) से एक व्याख्या	१०	२० अंक
	ख) नाटक (दश एकाङ्की) से एक व्याख्या	१०	
२.	नाटक (चन्द्रगुप्त) से एक दीर्घउत्तरमूलक प्रश्न		२० अंक
३.	नाटक (चन्द्रगुप्त) से एक संक्षिप्त उत्तरमूलक प्रश्न		१० अंक
४	नाटक (दश एकाङ्की) स एक दीर्घ उत्तरमूलक प्रश्न		२० अंक
५.	नाटक (दश एकाङ्की) से एक संक्षिप्त उत्तरमूलक प्रश्न		१० अंक
६.	रेखाचित्र (रेखाएं ओर रखाएं) से एक दीर्घ उत्तरमूलक प्रश्न		२० अंक

PASS PAPER—IV (PRAYOJANMULAK HINDI)

PASS

The detailed courses of study along with distribution of marks are given below :

1.	Karyalayee Hindi	...	40 Marks
2.	Prashashanik Shabdabali	...	15 Marks
3.	Karyalayiya-Anuvad	...	20 Marks
4.	Vyavaharik Vyakarana	...	25 Marks
	TOTAL		100 Marks

कार्यालयी हिन्दी प्रारूप-लेखन, टिप्पणी, सरकारी पत्र, तार लेखन

प्रशासनिक शब्दावली—

कार्यालय अनुवाद—	क)	अंग्रेजी से हिंन्दी	१० अंक
	ख)	हिन्दी से अंग्रेजी	१० अंक

४. व्यावहारिक व्याकरण—

- क) बर्तनी के सही प्रयोग
- ख) वर्ण लेखन
- ग) अनुस्वार एवं अनुनासिक के प्रयोग
- घ) शब्द
- ङ) वाक्य -संरचना
- च) संज्ञा और क्रिया की अन्विति
- छ) लिंग, वचन, पुरूष, काल आदि की अन्विति

संदर्भ ग्रन्थ :

१. सरकारी कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग—गोपीनाथ श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन,१५—ए, महात्मागान्धी मार्ग, इलाहाबाद १

२. शुद्ध हिन्दी कैसे लिखें—गजेन्द्र प्रसाद सिन्हा, भारती भवन पब्लिशर्स, एण्ड डिस्ट्रिब्युटर्स, ठाकुरबाडी, पटना-८००००४

३. कार्यालयी अनुवाद की समस्याएं—डा. भोलानाथ तिवारी, डा. कृष्ण कुमार गोस्वामी एवं अजितलाल गुलाटी, शब्द प्रकाशन, नई दि

४. प्रयोजनमूलक हिन्दी— डा. दनाल झालटे विद्याविहार, दरियागंज, नई- दिल्ली-११०००२

५. हिन्दी कार्यालय सन्दर्भिका—डा. अर्जुन शतपथी, संकल्प संस्थान डी -१०, कोयल नगर, राउरकेला ७६९०१४

यूनिट			
	१.	प्रारूप लेखन के लिए एक प्रश्न	१५ अंक
	२.	टिप्पणलेखन के लिए एक प्रश्न	१० अंक
	३.	सरकारी पत्र लेखन के लिए एक प्रश्न	१० अंक
	४.	तारलेखन के लिए एक प्रश्न	०५ अंक
	५.	प्रशासनिक शब्दावली पर प्रश्न	१५ अंक
	६.	अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद पर प्रश्न (स्वतन्त्र वाक्य या अनुच्छेद के रूप में)	१० अंक
	७.	हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद पर प्रश्न (स्वतन्त्र वाक्य या अनुच्छेद के रूप में)	१० अंक
	८.	व्यावहारिक व्याकरण पर संक्षिप्त उत्तरमूलक प्रश्न (कम से कम 5 और अधिक से अधिक 10)	२५ अंक

HONOURS
FIRST YEAR
HONS PAPER—I (POETRY)

The detail courses of study along with distribution of marks are given below :

1.	Poetry Collection (Text)	...	60 Marks
2.	Khandakavya (Yashodhara)	...	25 Marks
3.	Rheotics.	...	15 Marks
	TOTAL	...	100 Marks

(Question an annotation carrying 20 marks from Poetry collection and 10 marks from Khandak... asked).

१. पद्य संकलन : हिन्दी काव्य संग्रह—सं हेमराज मीना एवं मीरा शरीन, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा

निम्न लिखित कविताएं पढ़ायी जायेंगी—

क.	कबिर	...	पद १ से ४
ख.	जायसी	...	नागमती वियोग वर्णन
ग.	सूरदास	...	विनय के पद- २, ३, ४
घ.	तुलसीदास	...	भरत महिमा—७-१४ (जो ना होत...से) विनय पत्रिका
ङ.	विहारी	...	सौन्दर्य और प्रेम, नीति (दोहे १ से ६)
च.	प्रसाद	...	चिन्ता
छ.	निराला	...	वर दे वीणा- वादिनी, तुम और मैं
ज.	पन्त	...	ताज, गीत- विहाग
झ.	महादेवी वर्मा.	...	मैं नीर भरि.... पथ रहने दो..... है चिर महान...।
ञ.	अज्ञेय	...	हिरोसिमा, यह दीप अकेला
ट.	मुक्तिबोध	...	पूंजीबादी समाज के प्रति
ठ.	गिरिजा कुमार माथुर	...	बुद्ध

खण्डकाव्य : यशोधारा—मैथिली शरण गुप्त, चिरगांव, झानसी

अलंकार : निम्नलिखित अलंकार पढाए जायेंगे—

…क. श्लेप,वक्रोक्ति, वीप्सा, उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, अपह्नति,अतिशयोक्ति, सन्देह, भ्रांतिमान, ब्यतिरेक, ब्याजस्तुति.विरोधाभास

…—

अलंकार मुक्तावली—प्रो देवेन्द्रनाथ शर्मा,भारतीभवन, पटना-८००००४

१. क)	पद्यसंकलन (हिन्दी काव्यसंग्रह)से दो व्याख्याएं मध्यकालीन कवियों में से एक और आधुनिक कवियों में से एक) (१०x२)	३० अंक
ख)	खंडकाव्य (यशोधारा) से एक व्याख्या	१० अंक
२.	पद्य संकलन (हिंदी काव्य संग्रह) के मध्यकालीन कवियों की कविताओं में से एक दीर्घ उत्तरमूलक प्रश्न	२० अंक
३.	पद्य संकलन (हिंदी) काव्यसंग्रह) के आधुनिक कवियों की कविताओं में से एक दीर्घ उत्तरमूलक प्रश्न	२० अंक
४.	खंडकाव्य (यशोधारा) मे से एक दीर्घ उत्तरमूलक प्रश्न	१५ अंक
५.	अलंकारो पर संक्षिप्त उत्तरमूलक प्रश्न (तिन) (५ x ३)	१५ अंक

HONS PAPER—II (PROSE)

The detailed courses of study along with distribution of marks are given below :

Collection of Essays (Text)	...	40 Marks
Novel (Text)	...	40 Marks
Short Stories (Non-Detailed)	...	20 Marks
	TOTAL	100 Marks

…estion on annotation carrying 20 marks shall be asked from collection of Essays (Nibandha Nikash and … only).

निबन्ध संग्रह निबन्ध निकप : सं महेंद्र प्रताप एवं एन. सि अग्रवाल, रवि प्रकाशन, ११६ रांगयराघेय मार्ग, आगरा २८०००२

… निबन्ध पढाए जायेंगे—

१.	धोखा	...	प्रताप नारायण मिश्र
२.	मेघदूत	...	महावीर प्रसाद द्विवेदी
३.	श्रद्धाभक्ति	...	रामचन्द्र शुक्ल
४.	अशोक के फुल	...	हज़ारि प्रसाद द्विवेदी
५.	हमारे वैज्ञानिक युग की समस्या	...	महादेवी वर्मा
६.	पहला सफेद बाल	...	हरिशंकर परसाइ

उपन्यास : दिव्या—यशपाल, विप्लव कार्यालय, लखनऊ

कहानी : कथांतर—सं परमानन्द श्रीबास्तव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

… कहानियां पढायी जायेंगी—

	उसने कहा था	५.	दो पहर का भोजन
		६.	पाहाड
		७.	दिल्लीमें एक मौत

संदर्भ ग्रन्थ :

१. यशपाल का कथा साहित्य—प्रकाशचन्द्र मिश्र, मेकमिलन, दिल्ली
२. प्रेमचन्द्रोत्तर हिंदी उपन्यासों की शिल्पविधि—सत्यपाल चुधा, इकाई प्रकाशन, इलाहाबाद
३. हिंदी उपन्यास और यथार्थबाद—त्रिभुवन सिंह, हिंदी प्रचारक, वाराणसी
४. हिंदी उपन्यास साहत्यि का अध्ययन—एस. एन. गणेशन, राजपाल.... प्रकाशन, दिल्ली
५. आधुनिक हिंदी कहानी—लक्षीनारायन लाल

यूनिट	1. क)	निबन्ध संग्रह (निबन्ध निकष) से एक व्याख्या	10	20 अंक
	ख)	उपन्यास (दिव्या) से एक व्याख्या	10	
	2.	निबंध संग्रह (निबन्ध निकष) से एक दीर्घ उत्तरमूलक प्रश्न		20 अंक
	3.	निबंध संग्रह (निबंध निकष) से एक संक्षिप्त उत्तरमूलक प्रश्न		10 अंक
	4.	उपन्यास (दिव्या) से एक दीर्घ उत्तरमूलक प्रश्न		20 अंक
	5.	उपन्यास (दिव्या) से एक संक्षिप्त उत्तरमूलक प्रश्न		10 अंक
	6.	कहानी (कथांतर) से एक दीर्घ उत्तरमूलक प्रश्न		20 अंक

SECOND YEAR

HONS PAPER—III (PROSE : DRAMA & SKETCH)

The detailed courses of study along with distribution of marks are given below :

1.	*Drama (Text)*	...	40 Marks
2.	*Drama (Text)*	...	40 Marks
3.	Sketch	...	20 Marks
	TOTAL	..	100 Marks

(Question on annotation carrying 20 marks shall be asked from Drama (Chandragupta) and (Mister Abhi... only.)

१. नाटक : चन्द्रगुप्त जयशंकर प्रसाद, भारती भंडार, इलाहाबाद
२. नाटक : दास एकाङ्कीं—डः. बि. एस. तिवारी, सवनम पुस्तक महल, कटक 10

Pieces to be studies :

१. एक तोला अफिम का किमत—पि. के. वां   २. शायद—मोहन राकेश
३. विजय कि वेला—जे. सि. माथुर   ४. वसन्त ऋतु का नाटक—एल. एन. लाल

३. रेखाचित्र : रेखाएं और रेखाएं सं सुधाकर पांडेय एवं विश्वनाथ प्रसाद तिवारी अनुराद प्रकाशन, विशालाक्षि भवन, चौक, वाराणसी

निम्नलिखित रेखाचित्र पढाएं जायेंगे—

१. महाकबि जयशंकर प्रसाद   २. रजिया
३. यह सडक बोलती है   ४. रामा
५. अष्टावक्र

संदर्भ ग्रन्थ—

१. जयशंकर प्रसाद नन्ददुलारे वाजपेयी, भारती भंडार, प्रयाग
२. प्रसाद के ऐतिहासिक नाटक—जगदीश जोशी
३. प्रसाद का नाट्यशिल्प और रंगमंच—गोबिन्द चातक

यूनिट	१.	क) नाटक (चन्द्रगुप्त) से एक व्याख्या	१०	२० अंक
		ख) नाटक (दश एकाङ्कीं)	१०	
	२.	नाटक (चन्द्रगुप्त) से एक दीर्घ उत्तरमूलक प्रश्न		२० अंक
	३.	नाटक (चन्द्रगुप्त) से एक संक्षिप्त उत्तरमूलक प्रश्न		१० अंक
	४.	नाटक (दश एकाङ्कीं) से एक दीर्घ उत्तरमूलक प्रश्न		२० अंक
	५.	नाटक (दश एकाङ्कीं) से एक संक्षिप्त उत्तरमूलक प्रश्न		१० अंक
	६.	रेखाचित्र (रेखाएं और रेखाएं) से एक दीर्घ उत्तरमूलक प्रश्न		२० अंक

HONS. PAPER—IV (PRAYOJANMULAK HINDI)

The detailed courses of study along with distribution of marks shall be as follows :

1.	Karyalayee Hindi,	...	40 Marks
2.	Prashashanik Shabdabali	...	15 Marks
3.	Karyalayiya-Anuvab	...	20 Marks
4.	Vyavaharik Vyakarana	...	25 Marks
	TOTAL		100 Marks

कार्यालयी हिन्दि प्रारूप-लेखन, टिप्पणी, सरकारी पत्र, तार लेखन

प्रशासनिक शब्दावली—

कार्यालयीय अनुवाद— क) अंग्रेजी से हिंदी १० अंक

ख) हिंदी से अंग्रेजी १० अंक

व्यावहारिक व्याकरण—

क) वर्तनी के सही प्रयोग

ख) वर्ण लेखन

ग) अनुस्वार एवं अनुनासिक के प्रयोग

घ) शब्द

ङ) वाक्य संरचना

च) संज्ञा और क्रिया की भ्रान्ति

छ) लिंग, वचन, पुरुष, काल आदि की भ्रान्ति

सरकारी कार्यालयोंमें हिन्दी का प्रयोग—गोपीनाथ श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन,५५-ए, महात्मागान्धी मार्ग, इलाहाबाद १

शुद्ध हिन्दी कैसे लिखें—गजेन्द्र प्रसाद सिन्हा, भारती भवन पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रिब्यूटर्स, ठाकुरबाड़ी, पटना ८००००४

कार्यालयी अनुवाद की समस्याएं—डा. भोलानाथ तिवारी, डा. कृष्ण कुमार गोस्वामी एवं ओमितलाल गुप्ता, शब्द प्रकाशन, नईदिल्ली।

प्रयोजनमूलक हिन्दी—डा. दनाल जालटे विद्याविहार, दरियागंज, नई दिल्ली-११०००२

हिन्दी कार्यालय सन्दर्भिका—डा. अर्जुन शतपथी, संकल्प संस्थान डी ९०, कोयल नगर, राउरकेला ७६९०१४

१.	प्रारूप लेखन के लिए एक प्रश्न	१५ अंक
२.	टिप्पणी लेखन के लिए एक प्रश्न	१० अंक
३.	सरकारी पत्र-लेखन के लिए एक प्रश्न	१० अंक
४.	तार लेखन के लिए एक प्रश्न	०५ अंक
५.	प्रशासनिक शब्दावली पर प्रश्न	१५ अंक
६.	अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद पर प्रश्न (स्वतन्त्र वाक्य या अनुच्छेद के रूप में)	१० अंक
७.	हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद पर प्रश्न (स्वतन्त्र वाक्य या अनुच्छेद के रूप में)	१० अंक
८.	व्यावहारिक व्याकरण पर संक्षिप्त उत्तरमूलक प्रश्न (कम से कम 5 और अधिक से अधिक 10)	२५ अंक

HONS. PAPER—V (SAMEEKHYA SIDDHANTA TATHA SAHITYIK VIDHAYEN)

The detailed courses of study and distribution of marks are given below :

1.	Sameekhya Siddhanta	...	60 Marks
2.	Sahityik Vidhayen	...	40 Marks
	TOTAL	...	100 Marks

१. समीक्षा सिध्धान्त

क) काव्य की परिभाषा, काव्य का स्वरूप, काव्य के लक्षण, काव्य की आत्मा।

ख) काव्य के बारे में प्राच्य और पाश्चात्य विद्वानों के विचार।

ग) काव्य के भेद, काव्य के गुण और दोष।

घ) शब्दशक्ति

ङ) रस, अलंकार, छन्द।

२. साहित्यिक विधाएं

काव्य, नाटक, उपन्यास, कहानी, निबन्ध, आलोचना, एकांकी, रेखाचित्र, संस्मरण, जीवनी, आत्मकथा, रिपोर्ताज, जा[illegible]

संदर्भ ग्रन्थ—

१. हिन्दी साहित्यकोष : भाग-१-सं धीरेन्द्र वर्मा और अन्य, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, सन्त कबिर रोड, बाराणसी- २२१००१

२. काव्यदर्पण—रामदहिन मिश्र

३. काव्य समीक्षा—आचार्य गिरिजादत्त त्रिपाठी

४. रस सिद्धान्त—डा. नगेन्द्र

५. नयी समीक्षा—डा. नगेन्द्र

युनिट	१. काव्य की परिभाषा, काव्य का स्वरूप, काव्य के लक्षण और काव्यकि आत्मापर दीर्घ उत्तरमूलक प्रश्न	१५ अंक
	२. काव्य के बारे में प्रच्य और पाश्चात्य विद्वनों के विचार पर दीर्घ उत्तरमूलक प्रश्न	१५ अंक
	३. काव्य के भेद काव्य के गुण और दोष, तथा शब्दशक्ति पर दीर्घ अथवा संक्षिप्त उत्तरमूलक प्रश्न	१५ अंक
	४. रस, अलंकार और छन्द पर एक संक्षिप्त उत्तरमूलक प्रश्न	१५ अंक
	५. साहित्यिक विधाओं पर चार संक्षिप्त उत्तरमूलक प्रश्न	४० अंक

HONS. PAPER—VI (POETRY)

The detailed courses of study along with distribution of marks are given below :

1.	Mahakavya (Ramacharitmanas)	...	40 Marks
2.	Khandakavya (Kanupriya)	...	30 Marks
3.	Geeti-Kavya (Aansu)	...	30 Marks
		TOTAL	100 Marks

(Question on annotation carrying 30 marks shall be asked from all the three books.)

१. महाकाव्य : रामचरितमानस—तुलसीदास, गीताप्रेस, गोरखपुर
अयोध्या काण्ड दोहा २३६ से शेष तक

२. खण्डकाव्य : कनुप्रिया—डा. धर्मवीर भारती राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

३. गीतिकाव्य : आंसू—जयशंकर प्रसाद, भारती भंडार, प्रयाग

सन्दर्भ ग्रन्थ—

१. तुलसीदास और उनका युग—राजपति दीक्षित, ज्ञानमण्डल, वाराणसी

२. गोस्वामी तुलसीदास—रामचन्द्र शुक्ल, इंण्डिआन प्रेस, प्रयाग

३. प्रसाद के काव्य—प्रेमशंकर, भारती भंडार, प्रयाग

४. जयशंकर प्रसाद—नन्ददुलाल बाजपेइ, भारती भण्डार, प्रयाग

युनिट	१.	निम्नलिखित पुस्तकों में से व्याख्याएं		
		क) रामचरित मानस अयोध्याकाण्ड दोहा २३६ से शेष तक से एक व्याख्या	१०	
		ख) कनुप्रिया से एक व्याख्या	१०	
		ग) आंसु से एक व्याख्या	१०	३० अंक
	२.	रामचरित मानस से एक दीर्घ उत्तरमूलक प्रश्न		२० अंक
	३.	रामचरित मानस से एक संक्षिप्त उत्तरमूलक प्रश्न		१० अंक
	४.	कनुप्रिया से एक दीर्घ उत्तरमूलक प्रश्न		२० अंक
	५.	आंसु से एक दीर्घ उत्तरमूलक प्रश्न		२० अंक

FINAL YEAR

HONS. PAPER—VII (HISTORY OF HINDI LITERATURE)

The courses of study along with distribution of marks are given below :

General Survey of History of Hindi Literature with special emphasis on Bhakti-kal & Adhunik-kal :

1.	Adikal	...	10 Marks
2.	Bhaktikal	...	40 Marks
3.	Reetikal	...	10 Marks
4.	Adhunik kal	...	40 Marks
		TOTAL	100 Marks

…त्य का इतिहास—

१. आदिकाल, २. भक्तिकाल, ३. रीतिकाल, ४. आधुनिककाल

१. हिन्दी साहित्य का इतिहास—रामचन्द्र शुक्ल, नागरि प्रचारिणी सभा, काशी
२. हिन्दी साहित्य : उदभव और विकाश—हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
३. हिन्दी साहित्य: खण्ड - १, २, ६—सं धीरेन्द्र वर्मा हिन्दी परिषद प्रकाशन, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयाग
४. आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकाश—श्रीकृष्णलाल, हिन्दी साहित्य परिषद, प्रयाग
५. आधुनिक हिन्दी साहित्य—लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, हिन्दी साहित्य परिषद, प्रयाग

१.	आदिकाल से एक संक्षिप्त उत्तरमूलक प्रश्न	१० अंक
२.	भक्तिकाल से दो दीर्घ उत्तरमूलक प्रश्न	४० अंक
३.	रीतिकाल से एक संक्षिप्त उत्तरमूलक प्रश्न	१० अंक
४.	आधुनिक काल से एक दीर्घ उत्तरमूलक प्रश्न	२० अंक
५.	आधुनिक काल से दो संक्षिप्त उत्तरमूलक प्रश्न	२० अंक

HONS. PAPER—VIII (LINGUISTICS)

The courses of study along with distribution of marks are given below :

(Question will be general nature seeking information and outline of the subject)

1.	History of Hindi Language	...	20 Marks
2.	Phonetics	...	20 Marks
3.	Morphology	...	20 Marks
4.	Syntax	...	20 Marks
5.	Development of Nagari-Script	...	20 Marks
		TOTAL	100 Marks

१. हिन्दी भाषा का इतिहास — 20

भारतीयपरिवार, शतम, वर्ग, प्राचीन मध्यकालीन आधुनिक भारतीय आर्य भाषा, हिन्दी और उसकी बोलियाँ ।

२. ध्वनि विज्ञान — 20

वाग्यन्त्र, स्वर और व्यंजनों का उच्चारण, ध्वनि परीवर्तन के कारण और स्वरूप, ध्वनि नियम ।

३. रूप विज्ञान — 20

सम्बन्ध तत्व और उसके प्रकार, सम्बन्ध तत्व और अर्थ तत्व का सम्बन्ध, हिन्दी में सम्बन्ध तत्व, रूप परिवर्तन की दिशाएं और कारण ।

४. वाक्य विज्ञान — 20

वाक्य के प्रकार, वाक्य गठन में परिवर्तन के कारण, निकटस्थ अवयव, वाक्यों में पदक्रम ।

५. लिपि विज्ञान — 20

लिपि का उद्भव और विकाश, भारत की प्राचीन लिपियां, मानक देवनागरी लिपि और अंक ।

संदर्भ ग्रंथ

१. सामान्य भाषा विज्ञान—बाबुराम सक्सेना, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
२. हिन्दी भाषा का इतिहास—धीरेन्द्र वर्मा हिंदुस्तानी एकाडेमी, प्रयाग
३. हिन्दी भाषा उदभव और विकाश—उदयनारायण तिवारी, भारती भण्डार, प्रयाग
४. भाषाविज्ञान कोश—भोलानाथ तिवारी, ज्ञानमण्डल, वाराणसी
५. भारतीय आर्यभाषा और हिन्दी—सुनीति कुमार चाटर्जी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
६. हिन्दी ध्वनिकी और ध्वनिकी—रामचन्द्र मेहेरोत्रा
७. हिन्दी अर्थ-विज्ञान—हरदेब बाहरी, भारतीप्रेस, इलाहाबाद
८. भाषा-विज्ञान—भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद

युनिट	१.	हिन्दी भाषा के इतिहास पर एक दीर्घ उत्तरमूलक प्रश्न	१५ अंक
	२.	स्वरों एवं व्यंजनों के उच्चारण पर एक संक्षिप्त उत्तरमूलक प्रश्न	१० अंक
	३.	हिन्दी ध्वनि-विकाश एवं उसका विकाश पर एक दीर्घ उत्तरमूलक प्रश्न	१५ अंक
	४.	हिन्दी रूप-विज्ञान एवं उसका विकाश पर एक दीर्घ उत्तरमूलक प्रश्न	१५ अंक
	५.	हिन्दी रूप-विज्ञान एवं उसका विकाश पर एक संक्षिप्त उत्तरमूलक प्रश्न	१० अंक
	६.	हिन्दी वाक्यविज्ञान एवं उसका विकाश पर एक दीर्घ उत्तरमूलक प्रश्न	२० अंक
	७.	नागरी लिपि के विकाश पर एक दीर्घ उत्तरमूलक प्रश्न	१५ अंक

+ 3 FIRST YEAR ARTS
PASS / HONOURS
(For 2003-2004 Admn. Batch)
PAPER—I
(Full Marks—100 Time—3 hours)

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य :

पाठ्य पुस्तक : हिन्दी काव्य संग्रह—सं. रामवीर सिंह, के. हि. सं., आगरा

क) कबीर : पद संख्या 2. रहना नहिं देस बिराना है
3. माया महा ठगिनी हम जानी
4. साधो देखो जग बौराना
5. ढोंका पवि मिलेंगे

ख) जायसी छ नागमती वियोग वर्णन
नागमती चितउर पंथ हेरा....................नव कै आनि-बसाउ ॥

ग) सुरदास 1. (विनय) . 2. (भ्रमरगीत)

पदसंख्या 1. अब कै राखि लेहु भगवान	पद संख्या 6. उधौ मन माने की बात
2. प्रभु हौं सब पतितनि कौ टीकौ	7. उधौ मोहि ब्रज बिसरत नाहिं
3. अब मैं नाच्यौ बहुत गुपाल	8. उधौ मन नाहिं दस बीस
4. मेरो मन अनत कहाँ सुख पावै	9. बिनु गोपाल बैरन भई कुंजैं
5. हमारे प्रभु औगुन चित न धरौ	10. निर्गुन कौन देश कों बासी

घ) तुलसी दास : भरत महिमा
चलत पयादें खात फल..........लछिमन करत प्रनाम

च) विहारी : भक्ति, ऋतु वर्णन, नीति

द्रुत पाठ—रसखान, रहीम, केशव (05 अंक वाले दो लघुत्तरी प्रश्न पुछे जायेंगे)

विभाजन :

03 व्यख्याएँ	03 X 10 (अंक) = 30
02 आलोचनात्मक प्रश्न	02 X 15 (अंक) = 30
05 लघुत्तरी प्रश्न	05 X 04 (अंक) = 20
10 अति लघुत्तरी प्रश्न	10 X 02 (अंक) = 20
कुल	100

+ 3 FIRST YEAR
PASS / HONOURS
PAPER—II
(Full Marks—100 Time—3 hours)

हिन्दी काव्य :

स्तक :

1. यशोधारा—मैथिली शरण गुप्ता (केवल पद्य अंश)
2. हिन्दी काव्य संग्रह—सं. रामवीर सिंह, के. हि. सं., आगरा

विषय :

1. जयशंकर प्रसाद—आंसु (छन्द 1 से 20 तक)
2. निराला—तोड़ती पत्थर, संध्या सुन्दरी, तुम और मैं, मैं अकेला
3. पंत—प्रथम रश्मि, ताज, गीत विहग, तप रे
4. महादेवी—गीत 1 से 5 तक

: सुभद्रा कुमारी चौहान, बालकृष्ण शर्मा नवीन, राम कुमार वर्मा
(05 अंको वाले दो लघुत्तरी प्रश्न पुछे जाएँगे)

जन :

03 व्यख्याएँ	03 X 10 (अंक) = 30
02 आलोचनात्मक प्रश्न	02 X 15 (अंक) = 30
05 लघुत्तरी प्रश्न	05 X 04 (अंक) = 20
10 अति लघुत्तरी प्रश्न	10 X 02 (अंक) = 20
कुल	100

+ 3 SECOND YEAR
PASS / HONOURS
PAPER—III
(Full Marks—100 Time—3 hours)

हिंदी काव्य :

:

न्दी काव्य संग्रह—सं. रामवीर सिंह, हेमा उप्रेती, मीरा सरीन केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।

क) रामधारी सिंह दिनकर—अभिनव मनुष्य, जनतन्त्र का जन्म (26 जनवरी, 1950)

ख) सच्चिदानंद हीरानंद वात्सायन 'अज्ञेय'—नंदादेवी, हिरोशिमा, कलगी बाजरे की

ग) भवानी प्रसाद मिश्र—गीत फरोश, अभिव्यक्ति, होना तो उनका है।

घ) धूमिल—मोचीराम

ङ) नागार्जुन—प्रेत का बयान, बहुत दिनों के बाद

केदारनाथ अग्रवाल, शमशेर सिंह, गिरिजा कुमार माथुर

अंक विभाजन :

03 व्याख्याएँ	03 X 10 (अंक)	= 30
02 आलोचनात्मक प्रश्न	02 X 15 (अंक)	= 30
05 लघुत्तरी प्रश्न	05 X 04 (अंक)	= 20
10 अति लघुत्तरी प्रश्न	10 X 02 (अंक)	= 20
कुल		100

+ 3 SECOND YEAR
PASS / HONOURS
PAPER—IV
(Full Marks—100 Time—3 hours)

हिन्दी कथा साहित्य

पाठ्य विषय :

1. कर्मभूमि—प्रेमचन्द
2. चित्रलेखा—भगवती चरण वर्मा
3. कथान्तर—सं. परमानन्द श्रीवास्तव, राजकमल प्र., नई दिल्ली

पाठ्य विषय :

1. कफन—प्रेमचन्द
2. पत्नी—जैनेन्द्र कुमार
3. आकाशदीप—जयशंकर प्रसाद
4. लालपान की बेगम—रेणु
5. दिल्ली में एक मौत—कमलेश्वर
6. वापसी—उषा प्रियंवदा

द्रुत पाठ : 'निराला', विष्णु प्रभाकर (केवल 05 अंकों वाले 02 लघुत्तरी प्रश्न)

अंक विभाजन :

03 व्याख्याएँ	03 X 10 (अंक)	= 30
02 आलोचनात्मक प्रश्न	02 X 15 (अंक)	= 30
05 लघुत्तरी प्रश्न	05 X 04 (अंक)	= 20
10 अति लघुत्तरी प्रश्न	10 X 02 (अंक)	= 20
कुल		100

+ 3 THIRD YEAR
HONOURS
PAPER—V
(Full Marks—100 Time—3 hours)

हिन्दी नाट्य साहित्य

पाठ्य पुस्तक :

1. अजातशत्रु—जयशंकर प्रसाद
2. लहरों के राजहंस—मोहन राकेश
3. दस एकांकी—सं. बालेन्दु शेखर तिवारी

पाठ्य विषय :

1. एक तोले अफीम की कीमत—राज कुमार वर्मा
2. तौलिए—अश्क

3. वसन्त ऋतु का जारक—लक्ष्मीनारायण लाल
4. लायरी—भुवनेश्वर
5. माँ—विष्णु प्रभाकर
6. शायद—मोहन राकेश

पाठ—भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, धर्मवीर भारती (05 अंको वाले 02 लघुत्तरी प्रश्न)

विभाजन :

03 व्याख्याएँ	03 X 10 (अंक) = 30
02 आलोचनात्मक प्रश्न	02 X 15 (अंक) = 30
05 लघुत्तरी प्रश्न	05 X 04 (अंक) = 20
10 अति लघुत्तरी प्रश्न	10 X 02 (अंक) = 20
कुल	100

+ 3 FINAL YEAR
HONOURS
PAPER—VI
(Full Marks—100 Time—3 hours)

पुस्तक :

निबंध निकष—सं. महेन्द्र प्रताप, रवि प्रकाशन, आगरा

विषय :

1. मेघदूत—महावीर प्रसाद द्विवेदी
2. श्रद्धा भक्ति—रामचन्द्र शुक्ल
3. अशोक के फूल—हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. पहिला सफेद बाल—हरिशंकर परसाई

रेखाएँ और रेखाएँ—सं. सुधाकर पाण्डेय, अनुराग प्रकाशन, वाराणसी

विषय :

1. रजिया—रामवृन्दा बेनिपुरी
2. गमा—महादेवी वर्मा
3. अष्टवक्र—विष्णु प्रभाकर

पाठ—सरदार पूर्ण सिंह, डा. नगेन्द्र (05 अंको वाले 02 लघुत्तरी प्रश्न)

विभाजन :

03 व्याख्याएँ	03 X 10 (अंक) = 30
02 आलोचनात्मक प्रश्न	02 X 15 (अंक) = 30
05 लघुत्तरी प्रश्न	05 X 04 (अंक) = 20
10 अति लघुत्तरी प्रश्न	10 X 02 (अंक) = 20
कुल	100

+ 3 FINAL YEAR
HONOURS
PAPER—VII
(Full Marks—100 Time—3 hours)

विषय :

क) हिन्दी भाषा का स्वरूप और विकास- हिन्दी की उत्पत्ति, हिन्दी के विभिन्न रूप-बोलचाल की भाषा, रचनात्मक भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, सम्पर्क भाषा, संचार भाषा

हिन्दी के शब्द भण्डार-तत्सम, तदभव, देशज, आगत शब्दावली

(ख) हिन्दी साहित्य का इतिहास : आदिकाल, भक्ति काल, रीतिकाल एवं आधुनिक काल।

1. काल विभाजन, नामकरण
2. सामाजिक, राजनैतिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
3. प्रमुख प्रवृत्तियाँ
4. गद्य विधाओं का विकास (केवल उपन्यास, नाटक

अंक विभाजन :

04 आलोचनात्मक प्रश्न	04 X 15 (अंक)	= 60
05 लघुत्तरी प्रश्न	05 X 04 (अंक)	= 20
10 अति लघुत्तरी प्रश्न	10 X 02 (अंक)	= 20
कुल		100

सहायक ग्रन्थ :

1. हिन्दी : उद्‌भव विकास और रूप—डां. हरदेव बाहरी
2. भाषा विज्ञान—भोलानाथ तिवारी, किताब महल
3. हिन्दी भाषा और साहित्य—डां. किरणबाला, किताब महल
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास—राम कुमार वर्मा
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास—नगेन्द्र

+ 3 FINAL YEAR
HONOURS
PAPER—VIII
(Full Marks—100 Time—3 hours)

पाठ्य विषय :

(क) भारतीय साहित्य सिद्धान्त :

काव्य लक्षण, काव्य प्रयोजन, शब्द शक्ति, काव्य गुण और दोष, रीति सिद्धान्त, रस सिद्धान्त।

अलंकार : अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति उपमा., रूपक, उत्प्रेक्षा, भ्रान्तिमान, सन्देह, अन्योक्ति

छन्द : मात्रिक = चौपाई, रोला, दोहा, कुण्डलिया, छप्पय।

वर्णिक = इन्द्रवज्रा, मंदाक्रान्ता, सवैया

(ख) पाश्चात्य साहित्य सिद्धान्त :

प्लेटो, वर्डसवर्थ, आई. ए. रिचर्डस

प्रमुख सिद्धान्त और वाद :

स्वच्छंदता वाद, मनोविश्लेषण वाद, बिम्ब, प्रतीक और मिथक

(ग) प्रमुख हिन्दी आलोचक :

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, डां. राम विलास शर्मा

द्रुत पाठ—धीरेन्द्र वर्मा, डां. नामवर सिंह (05 अंको वाले 02 लघुत्तरी प्रश्न)

अंक विभाजन :

04 आलोचनात्मक प्रश्न	04 X 15 (अंक)	= 60
05 लघुत्तरी प्रश्न	05 X 04 (अंक)	= 20
10 अति लघुत्तरी प्रश्न	10 X 02 (अंक)	= 20
कुल		100

सहायक ग्रन्थ :

1. काव्य रूप—गुलाब राय
2. काव्य शास्त्र—भगीरथ मिश्र